



एग्री आर्टिकल्स

(कृषि लेखों के लिए ई-पत्रिका)

वर्ष: 06, अंक: 02 (मार्च-अप्रैल, 2026)

www.agriarticles.com पर ऑनलाइन उपलब्ध

© एग्री आर्टिकल्स, आई. एस. एस. एन.: 2582-9882

पश्चिमी राजस्थान में चिया (*Salvia hispanica* L.) की उन्नत खेती का महत्व

*निकिता कुमारी मील

सस्य विज्ञान विभाग, कृषि महाविद्यालय, जोधपुर, कृषि विश्वविद्यालय, जोधपुर, राजस्थान (342304)

*संवादी लेखक का ईमेल पता: nkmeel2003@gmail.com

पश्चिमी राजस्थान, भारत का ऐसा भौगोलिक क्षेत्र है, जहाँ कृषि हमेशा से पानी की कमी, उच्च तापमान, रेतीली मिट्टी और वर्षा की अनिश्चितता जैसी चुनौतियों से घिरा रहता है। परंपरागत फसलों की उत्पादकता जलवायु की कठोरता के कारण प्रभावित होती रहती है। ऐसे में किसानों को ऐसी फसलों की आवश्यकता होती है जो कम पानी में भी बेहतर उत्पादन दे सकें और आर्थिक रूप से लाभप्रद हों। इन्हीं विकल्पों में से एक है चिया (*Salvia hispanica* L.), जो पश्चिमी राजस्थान के लिए एक उभरती हुई उच्च मूल्य वाली फसल बनकर सामने आ रही है। चिया एक सूखा-सहनशील, उच्च पोषण संपन्न और बाजार में प्रचलित सुपरफूड है। यह फसल कम सिंचाई में भी उग जाती है तथा अत्यधिक गर्मी में स्थिर प्रदर्शन देती है। इसके बीजों की राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय बाजारों में भारी मांग है। इसलिए चिया की उन्नत खेती इस क्षेत्र के किसानों के लिए आय-वृद्धि, जल संरक्षण और सतत कृषि की दिशा में महत्वपूर्ण कदम साबित हो सकती है।

चिया फसल का पश्चिमी राजस्थान के लिए अनुकूलन

पश्चिमी राजस्थान में तापमान 45°C से अधिक तक पहुँच जाता है तथा वर्षा 100 से 300 मिमी के बीच रहती है। इस जलवायु में चिया एक उपयुक्त विकल्प है क्योंकि

- यह कम नमी में भी संतोषजनक वृद्धि करती है।
- इसकी जड़ें मिट्टी की गहराई तक जाकर नमी का उपयोग करती हैं।
- फसल को बहुत कम पोषक तत्वों की आवश्यकता होती है।
- रेतीली दोमट मिट्टी में इसका प्रदर्शन श्रेष्ठ पाया गया है।

इसी कारण, चिया को जोधपुर, बाड़मेर, जैसलमेर, बीकानेर जैसे जिलों में सफलतापूर्वक उगाया जा सकता है।

कम पानी में अधिक उत्पादन : पश्चिमी राजस्थान की जरूरत

इस क्षेत्र में नहर सिंचाई सीमित है तथा भूमिगत जल का स्तर काफी नीचे है। ऐसे में चिया की कम जल-आवश्यकता किसानों के लिए लाभदायक रहती है।

- फसल को 3 से 4 सिंचाइयों में सफलतापूर्वक उगाया जा सकता है।
- ड्रिप सिंचाई अपनाने पर 30 से 40 प्रतिशत तक पानी की बचत संभव है।
- सिंप्रकलर से समान नमी मिलने के कारण वृद्धि बेहतर होती है।

जल संकट से जूझ रहे क्षेत्रों में ऐसी फसलें कृषि को स्थायी बनाती हैं और किसानों पर आर्थिक बोझ भी नहीं बढ़ने देतीं।

पोषक तत्वों से भरपूर : बढ़ती मांग का संकेत

चिया बीजों को 'सुपरफूड' के रूप में विश्वभर में मान्यता प्राप्त है। इनमें 20-25 प्रतिशत प्रोटीन, 30 प्रतिशत से अधिक फाइबर, ओमेगा-3 फैटी एसिड, कैल्शियम, मैग्नीशियम, आयरन, एंटीऑक्सीडेंट जैसे आवश्यक पोषक तत्व प्रचुर मात्रा में पाए जाते हैं। आजकल हेल्थ इंडस्ट्री, न्यूट्रास्यूटिकल सेक्टर, डाइट फूड कंपनियों और ऑनलाइन मार्केट में इसकी मांग तेजी से बढ़ रही है। भारत में भी लोग स्वास्थ्य के प्रति जागरूक हो रहे हैं, जिससे चिया के बीजों की कीमत स्थिर और लाभदायक बनी हुई है।

कीट एवं रोग प्रबंधन में राहत : लागत में कमी

पश्चिमी राजस्थान में कीटनाशकों की उपलब्धता, उच्च लागत और प्रतिकूल मौसम के कारण फसलों का प्रबंधन कठिन हो जाता है। लेकिन चिया की फसल में कीटों का प्रकोप सामान्यतः बहुत कम पाया जाता है।

- इसकी सुगंधित प्रकृति कई कीटों को दूर रखती है।
- रोगों की समस्या अपेक्षाकृत कम होती है।

- जैविक खेती के लिए यह उपयुक्त है। कम कीट होने से छिड़काव पर खर्च कम आता है तथा उत्पादन लागत घटती है। इससे छोटे एवं सीमांत किसान भी इस फसल को आसानी से अपना सकते हैं।

पर्यावरणीय लाभ

चिया न केवल किसानों की आय बढ़ाती है बल्कि पर्यावरण की भी रक्षा करती है।

- मिट्टी के कटाव को कम करती है।
- कार्बन अवशोषण क्षमता बढ़ाती है।
- जैव विविधता को बढ़ावा देती है।
- कम रासायनिक उपयोग से मिट्टी की सेहत सुधरती है।

इस प्रकार, चिया फसल पश्चिमी राजस्थान की कृषि को अधिक प्राकृतिक, टिकाऊ और पर्यावरण-अनुकूल बना सकती है।



निष्कर्ष

पश्चिमी राजस्थान जैसे जल-संवेदनशील क्षेत्र में चिया की उन्नत खेती अत्यंत महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकती है। कम जल आवश्यकता, उच्च पोषण, बेहतर बाजार कीमत, कम कीट-रोग प्रकोप और उन्नत कृषि तकनीकों के साथ इसकी अनुकूलता इस फसल को आने वाले वर्षों में किसानों के लिए अत्यंत लाभकारी बनाती है। यदि किसानों को प्रशिक्षित किया जाए, अच्छे बीज उपलब्ध कराए जाएँ और बाजार से उचित जोड़ बनाया जाए, तो चिया फसल इस क्षेत्र में आय सुरक्षा, जल संरक्षण और सतत कृषि विकास के लिए एक मजबूत आधार स्थापित कर सकती है।